Publication : Navyatna Dainik **Date : Monday, 14th Jan, 2013**
Edition : Jaipur

इंडियाफर्स्ट ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम

'ऑटो लाइफ' के दूसरे चरण का आरंभ किया

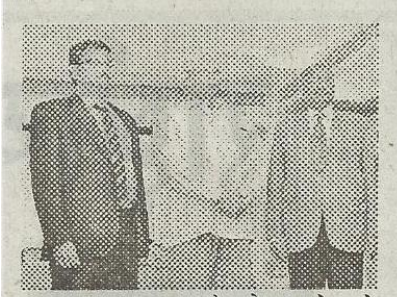

जयपुर। भारत के दो सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों: बैंक ऑफ बड़ौदा व आंध्रा बैंक तथा जोखिम, संपत्ति व निवेश के क्षेत्र में यू.के. की अग्रणी कंपनी लीगल एंड जनरल के संयुक्त उपक्रम इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस ने आज अपने सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम 'ऑटोलाइफ' के दूसरे चरण की घोषणा की। यह उद्घोषणा इंडियाफर्स्ट लाइफइंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और सीईओ डॉ पी. नंदगोपाल ने की। इस मौके पर आंध्र प्रदेश के संयुक्त परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन व सड़क सुरक्षा) श्री बी. वेंकटेश्वरलू भी उपस्थित थे। इस अवसर पर एफएडीए के अध्यक्ष श्री मोहन हिमतसिंगका तथा एफएडीए के उपाध्यक्ष श्री केवीएस प्रकाश राव भी मौजूद थे। ''जीवन सुरक्षा के व्यवसाय में होने की वजह से हम इस बारे में ज्यादा जागरुक हैं कि जीवन कितना अनमोल है। तनाव का स्तर दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है और वाहन चालकों में धैर्य का स्तर चिंताजनक रूप से घटता जा रहा है।'' डॉ. नंदगोपाल ने कहा।

उन्होंने आगे कहा, ''ऑटोलाइफ एक जैसी सोच रखने वाले लोगों का खास क्लब है जो चाहते हैं कि हमारी अस्त-व्यस्त सड़कें, जिम्मेदार ड्राइविंग के द्वारा, सुरक्षित बनें। ऑटोलाइफ हमारे लिए केवल एक फ्लसफा नहीं है बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। यह सिर्फ इस बारे में ही नहीं है कि हम अपने ऑटोमोबाइल के संबंध में उत्साहित हैं बल्कि यह सुरक्षित ड्राइविंग के बारे में भी है, यह मानव जीवन के सम्मान के बारे में है।'' राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो 2011 के आंकड़ों के मुताबिक सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। 2010 के मुकाबले 2011 में 2.2 प्रतिशत ज्यादा मौतें दर्ज की गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन की यह चेतावनी भी चिंताजनक है कि सन् 2020 तक भारत में सड़क दुर्घटनाएं मौतों की तीसरी सबसे बड़ी वजह बनेंगी। ऑटो लाइफ एक पहल है जो सड़कों पर सुरक्षात्मक तौर-तरीकों को प्रोत्साहन देती है।